Startalk Hindi Camp - Advance Activities

सर्वे गतिविधि

४ छात्रोका दल बनाए. हर छात्र बाकी तीन से दिए गये पर्यावरण से जुडे प्रश्न पूछेगा.
प्रश्न के सही जवाब पर ५ नंबर देंगे अंत में हर छात्र के नंबर जोड़ कर देखेंगे की कौनसबसे ज़्यादा पर्यावरण मित्र है.

1) क्या आप **बिजली की बचत** करते है?
क्या यह पर्यावरण की देखबाल का व्यक्तिगत् तरीका है या सामाजिक?

****

2) क्या आप **बिजली की बचत करनेवाले उपकरण का उपयोग** करते है?
क्या यह पर्यावरण की देखबाल का व्यक्तिगत् तरीका है या सामाजिक?

****

3) क्या आप **पानी की बचत** करते है?
क्या यह पर्यावरण की देखबाल का व्यक्तिगत् तरीका है या सामाजिक ?

****

4) क्या आप **प्लास्टिक के थैलों का उपयोग** करते है?
क्या यह पर्यावरण की देखबाल का व्यक्तिगत् तरीका है या सामाजिक ?

****

5) क्या आप **बिजली के उपकरणों को बन्द** करते है
क्या यह पर्यावरण की देखबाल का व्यक्तिगत् तरीका है या सामाजिक ?

****

6) क्या आप **पुनर्चक्रण और पुनर्प्रयोग** करते है
क्या यह पर्यावरण की देखबाल का व्यक्तिगत् तरीका है या सामाजिक ?

****

7) **क्या आप डिब्बाबंद पदार्थों और डिस्पोज़ेबल्स का उपयोग कम करते है?**

क्या यह पर्यावरण की देखबाल का व्यक्तिगत् तरीका है या सामाजिक ?

****

8) क्या आप **कागज़ का उपयोग कम** करते है?

क्या यह पर्यावरण की देखबाल का व्यक्तिगत् तरीका है या सामाजिक ?

****

9) क्या आप **कार का उपयोग कम** करते है

क्या यह पर्यावरण की देखबाल का व्यक्तिगत् तरीका है या सामाजिक ?

****

10) **आप हिन्दी शिविर मे कौन कौन से तरीकों से पर्यावरण की देखबाल कर रहे है?**

....

News article for Advance

छात्रों को 3 के दल में बाँट दें. हर छात्र को लेख का एक हिस्सा पड़ने के लिए दे. जब सब छात्र अपना अपना हिस्सा पढ़ लेंगे उन्हे पूर दल को बताना है की उन्होने क्या पढ़ा.

सैलानियों को पत्तल पर लंच

धर्मशाला — एचपीटीडीसी के होटलों में अब लंच और डिनर देशी पत्तल में परोसा जाएगा। निगम होटल होलीडे होम, पीटर हॉफ तथा धर्मशाला के होटल धौलाधार से इसकी शुरुआत कर रहा पर्यटन निगम आगे चलकर अपनी सभी 68 इकाइयों में पर्यटकों को धाम आयोजित कर खाना परोसेगा।

इसके लिए निगम ने बोटी 'कुक' हायर कर इन्हें प्रशिक्षण देना शुरू कर दिया है। निगम के एमडी वनीत कुमार ने यह खुलासा करते हुए कहा कि एचपीटीडीसी के होटलों के मेन्यु में दर्जन भर नए व्यंजन भी शामिल किए जा रहे हैं। धर्मशाला में 'दिव्य हिमाचल' से विशेष बातचीत में वनीत कुमार ने कहा कि निगम के मेन्यु में हम साऊथ तथा कांगड़ी व्यंजनों की कई आइटमें शामिल कर रहे है।

उनका कहना है कि प्रदेश में धार्मिक पर्यटन को ध्यान में रखते हुए निगम ने यह निर्णय लिया है कि बाहर से आने वाले बड़े ग्रुप के लिए निगम के होटलों में धाम की व्यवस्था की जाएगी। उनका कहना है कि भूमि आसन पर आयोजित की जाने वाली धाम में खाना पत्तल में परोसा जाएगा। इसके लिए निगम ने लाहुल स्पीति पैटर्न पर लकड़ी के छह इंच ऊंचे पटड़े बनाने शुरू कर दिए है। वनीत कुमार ने बताया कि इससे निगम के होटल पर्यटकों को सस्ता व अपनी संस्कृति से जुड़ा व्यजंन परोस सकेंगे। एमडी का कहना है कि रोहड़ू तथा खड़ा पत्थर सहित आठ निगम की इकाइयां घाटे में हैं।

ऊपर दिए गये लेख को पढ़ कर इस पर ४ प्रश्न बनाए और अपने साथियों से पूछे

इस कविता को पढ़ें. अपनी रचनात्मकता का उपयोग करके, इस कविता का विस्तार करें. 5 लाइनें लिखे. एवं इस कविता को एक शीर्षक दे

पेड़ लगाओ पेड़ लगाओ ।
बच्चों तुम सब पेड़ लगाओ ॥
पेड़ लगाकर पानी बरसाओ ।

पेड़ लगाओ पेड़ लगाओ ॥

नीचे दिए गये स्लोगन्स को पूरा करो

________ लगाओ,______________ बचाओ इस धरा को _______________ बनाओ (पेड़. जीवन, स्वर्ग)

___________ है तो____________ है.(जल कल)

जन -जन से यह _________ है,वृक्ष धरा का _______________ है. (कहना, गहना)

____________ लगाओ, _____________ बचाओ (पेड़. देश)

_____________लगाओ _____________बचाओ (पेड़ जीवन)

छात्रों को जन जागरण पत्रिका के अगस्त अंक के लिए पर्यावरण पर नारे लिखने के लिए पत्रिका जन जागरण के संपादक द्‌वारा काम पर रखा गया है . अपने दल के साथ मिल कर नारे बनाए और उन्हे चार्ट पेपर पर लिखे

रैन बॅरल (वर्षा जल संरक्षण यंत्र) बनाने की विधि

१ एक डिब्बा ले

२ डिब्बे के मुँह पर जाली लगा दे

३ जाली में छेद कर के उसमे स्ट्रॉ लगा दे

४ स्ट्रॉ को छत से आने वाली स्ट्रॉ से जोड़ दे ,छत से पानी स्ट्रॉस के द्वारा डिब्बे में छन कर जमा हो जाएगा

कम्पोस्ट खाद बनाने की विधि

- डिब्बा या बक्सा लें
- छाल वाले वृक्ष की डालियो के टुकड़े तथा पत्तियां डाल दें।
- अपनी रसोई का बहुत सा कूड़ा जैसे सब्जियां तथा इसी प्रकार का कुछ और भी सामान डाल सकते हैं।
- उसे अपने किचन गार्डन के एक ऐसे कोने में रख दें जहां धूप और हवा तो लगे लेकिन पानी से दूर वह हो
- चार से नौ सप्ताह में आपकी खाद तैयार हो जाना चाहिए